खबर संक्षेप

श्रावण मास में हरियाली अमावस्या पर उमड़ा उत्साह, महिलाओं ने मनाया उत्सव

शहडोल। श्रावण मास के पवित्र अवसर पर हरियाली महोत्सव के तहत हरियाली अमावस्या का उल्लासपूर्वक आयोजन किया गया। इस खास मौके पर महिलाओं ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं और बधाइयां दीं। सावन का महीना वैसे भी पर्व, उमंग और प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक माना जाता है, और हरियाली अमावस्या पर यह भावनाएं चरम पर थीं। महिलाओं ने हरे रंग की साड़ी, चूड़ियां और हाथों में खूबसूरत मेहंदी लगाकर पारंपरिक अंदाज में पर्व मनाया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाएं सावन के रंग में रंगी दिखीं और उन्होंने पारंपरिक गीतों, नृत्य और उत्सव का आनंद लिया। इस अवसर पर प्रियंका गुप्ता, कीर्ति गुप्ता, दीपिका गुप्ता, पूजा महाजन, नैना ताम्रकार, पूर्वी कटारे, निहारिका रस्तोगी, रीना सिंघई, प्रार्थना शुक्ला, सपना जैन, नीलम गुप्ता, रूबी जैन, प्रिया गुप्ता, अनुप्रिया गुप्ता सहित अन्य महिलाएं मौजूद रहीं। हरियाली अमावस्या पर यह आयोजन न केवल परंपरा और प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक बना, बल्कि महिलाओं के बीच सामूहिक उत्सव का भी मंच साबित हुआ।

सरसी आइलैंड बना आकर्षण का केंद्र, प्राकृतिक सौंदर्य से है परिपूर्ण

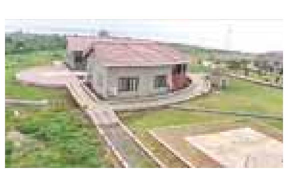

शहडोल। जिला जल, वन संपदा, खनिज संपदा एवं वन्य जीव से समृद्ध एवं परिपूर्ण है। शहडोल जिले का सरसी आइलैंड प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है यह सरसी आईलैंड 15 एकड़ में फैला हुआ है जो अंडमान एवं निकोबार दीप समूह से कम नहीं है। यहां की प्राकृतिक विविधता और जैविक समृद्धि इसे विशिष्ट पहचान प्रदान करती है। संभागीय मुख्यालय शहडोल से लगभग 120 किलोमीटर स्थिति सरसी आईलैंड में पर्यटक सुविधा केंद्र, 3 वोट क्लब, 10 आवासीय कक्ष, रेस्टोरेंट एवं बार, कान्फ्रेस हाल, जिम, लाइब्रेरी, चिल्ड्रन प्ले एरिया तथा अन्य खेल सुविधाएं जैसे बैट मिंटन, टेबिल टेनिस, स्टार ग्रेबिंग, सैंड वालीवाल, साइकिलिंग आदि की सुविधाएं, लैड स्केपिंग एवं गार्डन का विकास, 40 किलो वाट क्षमता का सोलर सिस्टम स्थापित किया गया है। सरसी आईलैंड को मार्कण्डेय घाट जिला मैहर एवं इटमा घाट जिला उमरिया से जोडा गया है। वोट क्लब एवं जेटटी चार स्पीड वोट, एक जेट स्की, मिनी क्रुज, ड्रायवर डारमेट्री, पार्किग, कैफेटेरिया तथा जन सुविधाएं विकसित की गई है। 15 एकड़ क्षेत्र में फैला सरसी आइलैंड अपनी नैसर्गिक सुंदरता और शांत वातावरण के कारण विशेष महत्व रखता है।

संभाग स्तरीय सेल का गठन

शहडोल। संयुक्त संचालक कृषि जे.एस.पेन्द्राम ने खरीफ 2025 की बोनी को दृष्टिगत रखते हुए किसानों को आवश्यक आदान, यथा उर्वरक बीज एवं अन्य सामग्री की निगरानी रखने तथा समुचित व्यवस्था करने के साथ ही कृषकों के सुझाव एवं समस्याओं के निराकरण हेतु संभाग स्तर पर सेल का गठन किया है। इस सेल में सुकुमार मिन सहायक संचालक कृषि, श्रीमती शिवानी तिवारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी तथा सुश्री अंजिता शर्मा एवं एस.अड़माचे दोनो सहायक ग्रेड-3 शामिल हैं। सेल का मोबाइल नम्बर 6269909506 है।

सरकारी योजनाएं धरातल पर बेअसर

बैंकों के बाहर दलालों का बोलबाला, आम उपभोक्ता बेहाल

खाता खुलवाने से लेकर ऋण तक दलाली के बिना नहीं होता काम

देश में डिजिटलीकरण और बैंकिंग सेवाओं के विस्तार की बातें भले ही बड़े मंचों पर जोर-शोर से की जाती हों, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है।

शहडोल

जिले में बैंकिंग सेवाएं आम लोगों के लिए सुविधा नहीं बल्कि जटिलता और दलालों की बंदिश बनती जा रही हैं। खाता खुलवाने से लेकर ऋण लेने तक की प्रक्रिया में आम नागरिक को न केवल दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, बल्कि दलालों के चंगुल में फंसकर सुविधा शुल्क भी चुकाना पड़ता है।

बैंकिंग सेवा में भ्रष्टाचार का नया चेहरा

बैंकिंग सेवा को जनता के लिए सुगम बनाने का दावा करने वाली व्यवस्थाएं आज दलालों के इशारों पर नाच रही हैं। शहडोल से लेकर ग्रामीण अंचलों तक हर बैंक के बाहर ऐसे दलाल सक्रिय हैं, जो ग्राहकों को काम करवाने का झांसा देकर कमीशन ऐंठते हैं। चाहे वह खाता खोलने की प्रक्रिया हो, जनधन योजना के तहत सब्सिडी दिलवाना हो या किसी भी तरह का ऋण लेना हो — हर सेवा के लिए पहले दलालों की जेब गरम करनी पड़ती है।

सरकारी योजनाएं और कागज़ी विकास की हकीकत

एक ओर सरकार 'सबका खाता, सबका विकास' जैसे नारे दे रही है, वहीं दूसरी ओर इन योजनाओं की असलियत कागज़ों से आगे नहीं बढ़ पा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों की अनपढ़ और तकनीकी रूप से पिछड़ी जनता आज भी अपने खातों से जुड़े छोटे-छोटे कामों के लिए बैंक के चक्कर काटती है, लेकिन बिचौलियों के बिना कोई काम नहीं हो पाता।

बैंकों में भीड़, स्टाफ की कमी और उपेक्षित ग्राहक

शहडोल सहित आसपास के इलाकों के बैंकों में रोज़ाना भीड़ देखने को मिलती है। कारण स्पष्ट है—काम अधिक, कर्मचारियों की संख्या कम। इस असंतुलन के कारण ग्राहक घंटों लाइन में लगने को मजबूर हैं, और जब नंबर आता है तो कई बार स्टाफ का व्यवहार भी निराशाजनक होता है। खासतौर पर वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं को असुविधा का सामना करना पड़ता है।

राष्ट्रीयकृत बैंकों से मोहभंग

जहां एक ओर सरकारी बैंकों में लोगों को तिरस्कार और उपेक्षा झेलनी पड़ती है, वहीं निजी बैंकों की कार्यप्रणाली अपेक्षाकृत बेहतर होने के कारण लोग अब उधर रुख कर रहे हैं। बेहतर सेवा, शीघ्र समाधान और सम्मानजनक व्यवहार ने निजी बैंकों को आम लोगों की पहली पसंद बना दिया है। इससे राष्ट्रीयकृत बैंकों की साख पर लगातार सवाल उठते जा रहे हैं।

तकनीकी बैंकिंग बन रही है आम आदमी के लिए बोझ

पेपरलेस बैंकिंग, एटीएम, कैश डिपॉजिट मशीन, चेक ड्रॉप बॉक्स जैसी तकनीकों का उद्देश्य भले ही ग्राहकों को सुविधा देना हो, लेकिन हकीकत में ये कई बार आम आदमी के लिए सिरदर्द बन जाती हैं। खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्र की अनपढ़ जनता इन तकनीकों से पूरी तरह अनजान है। उन्हें यह न तो समझ आती हैं और न ही कोई कर्मचारी उन्हें सहायता करता है। नतीजा यह कि वे काम अधूरा छोड़कर लौट जाते हैं या दलालों की शरण में जाते हैं।

प्रशासनिक लापरवाही से बढ़ रही दलाली

बैंकों में दलालों की सक्रियता केवल बैंकों की नहीं, बल्कि प्रशासन की भी नाकामी है। यदि समय पर निगरानी और सख्त कार्रवाई की जाए तो ऐसी अव्यवस्थाएं समाप्त हो सकती हैं। लेकिन जब स्वयं अधिकारी भी इन गतिविधियों से आँखें मूँद लेते हैं, तब जनता की परेशानी बढ़ जाती है और भ्रष्ट तंत्र को मजबूती मिलती है।

बैंकिंग सेवा को सरल बनाने की ज़रूरत

देश के आर्थिक विकास की रीढ़ माने जाने वाले बैंक अगर आम नागरिक के लिए परेशानी का कारण बन जाएं तो यह व्यवस्था की सबसे बड़ी विफलता है। बैंकों को दलाल-मुक्त बनाना, स्टाफ की संख्या बढ़ाना, तकनीकी मदद उपलब्ध कराना और ग्राहकों के साथ संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है। वरना 'जन-धन' का सपना, 'जन-विनाश' में बदलने में देर नहीं लगेगी।

मेडिकल कॉलेज के सामने कांटा घर बना मुसीबत

ट्रैफिक जाम से मरीज और स्टाफ बेहाल

शहडोल। बिरसा मुण्डा मेडिकल कॉलेज के सामने स्थित कांटा घर इन दिनों मरीजों और अस्पताल स्टाफ के लिए बड़ी परेशानी का कारण बना हुआ है। सडक़ किनारे बेतरतीब खड़े भारी वाहनों और अव्यवस्थित ट्रैफिक के कारण इस क्षेत्र में लगातार जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे मरीजों को समय पर इलाज मिलना मुश्किल हो रहा है। वहीं, चिकित्सक और नर्सिंग स्टाफ भी इस परेशानी से जूझ रहे हैं। गुरुवार रात करीब 8 बजे राइस मिल के पास खड़े एक ट्रक के कीचड़ में फंस जाने से लगभग एक घंटे तक यातायात पूरी तरह ठप रहा। इस दौरान न केवल आम लोग, बल्कि एंबुलेंस और मेडिकल स्टाफ की गाडिय़ाँ भी जाम में फंसी रहीं। मरीजों को एंबुलेंस से समय पर अस्पताल नहीं पहुँचाया जा सका, जिससे उनकी हालत और बिगडऩे का खतरा बना रहा। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस रास्ते से रोजाना सैकड़ों लोग मेडिकल कॉलेज आते-जाते हैं, लेकिन कांटा घर के पास हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। जब एंबुलेंस तक जाम में फंस जाती है, तो सोचिए आम मरीजों और उनके परिजनों की क्या हालत होती होगी, एक स्थानीय निवासी ने नाराजगी जताते हुए कहा।

इस समस्या के पीछे कांटा घर संचालक की मनमानी भी सामने आ रही है। स्थानीय पुलिस और ट्रैफिक विभाग ने कई बार कांटा घर संचालक को चेतावनी दी है कि भारी वाहनों को सडक़ पर पार्क न किया जाए, लेकिन संचालक ने इन निर्देशों को नजरअंदाज कर दिया है। नतीजतन, रोजाना जाम की समस्या गहराती जा रही है।

मेडिकल कॉलेज प्रबंधन भी अब इस मुद्दे को लेकर गंभीर हो गया है। कॉलेज के अधिकारियों ने कहा कि जाम की वजह से न केवल आपातकालीन सेवाएं प्रभावित होती हैं, बल्कि स्टाफ के समय पर अस्पताल न पहुँचने से मरीजों की देखरेख पर भी असर पड़ता है। प्रबंधन ने बताया कि वे इस विषय में जिला प्रशासन को पत्र लिखकर मामले से अवगत कराएंगे, ताकि शीघ्र समाधान निकाला जा सके। फिलहाल जरूरत है कि प्रशासन इस दिशा में सख्त कदम उठाए और ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए कांटा घर संचालक पर कार्रवाई करे। अन्यथा आने वाले दिनों में यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है।

रुक-रुक कर बारिश ने बढ़ाई मुश्किलें

शहडोल। जिले में बीते कुछ घंटों से हो रही रुक-रुक कर बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। लगातार बारिश से जैतपुर क्षेत्र की खपरखुटा नदी उफान पर आ गई है, जिससे आसपास के कई गांवों का संपर्क टूट गया है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि छत्तीसगढ़ को जोडऩे वाला प्रमुख भीतरी मार्ग पूरी तरह से बाधित हो गया है।

प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, खपरखुटा नदी का जलस्तर पुल से लगभग चार फीट ऊपर बह रहा है। यह मार्ग जैतपुर से होते हुए कुंवरपुर और जनकपुर की ओर जाता है, जो छत्तीसगढ़ संपर्क का एक मुख्य रास्ता माना जाता है। पुल के ऊपर पानी बहने से न केवल यातायात ठप हो गया है, बल्कि दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। कई यात्री बसें भी फंसी हुई हैं और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

थाना प्रभारी जिया उल हक ने बताया कि जैसे ही नदी में जलस्तर बढऩे की सूचना मिली, पुलिस बल को तुरंत मौके पर भेजा गया। हम स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और लोगों से अपील कर रहे हैं कि वे पुल पार करने की कोशिश न करें। दोनों ओर ट्रैफिक पूरी तरह रोका गया है।

स्थानीय लोगों की बढ़ी चिंता

स्थानीय निवासी आशीष शुक्ला ने बताया कि यह मार्ग ग्रामीणों के लिए जीवनरेखा है। खपरखुटा नदी पार कर कुंवरपुर एवं आस-पास के गांव के लोग जैतपुर के बाजार और अस्पतालों में पहुंचते हैं। अब जब पुल डूब चुका है, तो लोगों को जरूरी सेवाओं तक पहुंचने में दिक्कत हो रही है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में और बारिश की संभावना जताई है। ऐसे में स्थिति और गंभीर हो सकती है। प्रशासन ने निचले इलाकों में विशेष निगरानी शुरू कर दी है। जल भराव की आशंका वाले क्षेत्रों में अधिकारी मुस्तैद हैं और सतत निगरानी की जा रही है। एक ओर जहां प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखा रही है, वहीं प्रशासन की सक्रियता राहत की एक किरण के रूप में नजर आ रही है। फिलहाल, ग्रामीणों को सतर्क रहने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि से बचा जा सके।

फायर ब्रिगेड का 'बेलगाड़ी' रेस्पॉन्स

जलता रहा ठेला, बाल्टी लेकर दौड़े शहरवासी

शहडोल। संभागीय मुख्यालय के सबसे व्यस्त क्षेत्र जेल बिल्डिंग के सामने, पंजाब नेशनल बैंक के पास उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब एक ठेले में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग भडक़ उठी। यह ठेला राम पटेल का था, जिसमें वह कंप्यूटर, प्रिंटर व अन्य डिजिटल सेवा से जुड़े कार्य करते थे। लेकिन तकनीक की सारी तरक्की धुएं में तब तब्दील हो गई, जब पूरे ठेले के साथ कंप्यूटर, प्रिंटर और दस्तावेज जलकर आईटी कबाड़ में तब्दील हो गए। सबसे दर्दनाक बात यह रही कि फायर ब्रिगेड को तत्काल फोन किया गया, लेकिन उनके 'उडऩखटोले' को शहर के बीचोबीच पहुंचने में पूरे आधे घंटे का समय लग गया और यह तब जब हादसा मुख्य मार्ग पर हुआ।इधर आग धधकती रही, उधर मोहल्लेवासी बाल्टी लेकर दौड़ते रहे, जैसे कि ये कोई वाटर रेस हो। सबने अपने-अपने 'प्लास्टिक फायर टैंक' से आग बुझाने का जिम्मा उठाया। लोगों ने फायर अमले को 'फोटोकॉपी की धीमी मशीन' बताते हुए तंज कसा कि अगर मुख्य रोड पर आने में इतनी देर लगती है, तो शहर के अंदर गलियों में आग लगे तो भगवान ही मालिक है। कुछ लोगों ने तो सुझाव भी दे डाला कि अब से हर घर में बाल्टी, रेत और उम्मीद रखो, क्योंकि फायर ब्रिगेड से पहले तुम्हारी बाल्टी ही तुम्हारा बचाव करेगी। जनता की उम्मीदों पर पानी फेरने वाले इस फायर अमले ने एक बार फिर साबित कर दिया कि देर से आना, धीरे चलना और बहाना बनाना ही इनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है।

नशा छोड़ने से शारीरिक, मानसिक और सामाजिक लाभ होते हैं

लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति किया गया जागरूक

शहडोल। पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में जिले के समस्त थाना क्षेत्रांतर्गत 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस विभाग के मैदानी अधिकारियो एवं कर्मचारियों द्वारा युवाओ, विद्यार्थियो, आमजन को नशे के दुष्यप्रभावो के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान के तहत थाना अमलाई, खैरहा थाना क्षेत्रांतर्गत पुलिस अधिकारियो द्वारा लोगों को नशे के दुष्यपरिणामों के बारे में जागरूक किया गया। लोगो को नशा न करने की शपथ दिलाई गई। सार्वजनिक स्थलों पर बैनर, पोस्टर, होर्डिंग्स लगाकर एवं पम्पलेट वितरण कर व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया, सभी थाना क्षेत्रों में जन संवाद कार्यक्रम आयोजित कर आम नागरिकों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई, युवाओं को नशीली वस्तुओं के सेवन से रोकना के लिये प्रेरित किया गया, समाज के विभिन्न वर्गों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। नशा छोडने से शारीरिक, मानसिक और सामाजिक लाभ होते है। नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, पूरे समाज को प्रभावित करता है, इससे दूरी रखना नितांत आवश्यक है। नशा मुक्ति समाज बनाने के लिए हम सब को मिलकर कार्य करना होगा, नशा से होने वाले दुष्यप्रभावो के बारे में स्वय जागरूक रहे और दूसरो को भी जागरूक करें। नशा न केवल स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है बल्कि सामाजिक एवं पारिवारिक जीवन को भी बर्बाद कर देता है। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश भर में नशे से दूरी है जरूरी नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य समाज में नशे के बढ़ते प्रभाव के प्रति जन सामान्य को सचेत करना एवं विषेषकर युवाओ को नशा उन्मूलन के लिए प्रेरित करना है।

शहडोल संभाग को फूड क्राफ्ट इंस्टिट्यूट की मिलेगी सौगात

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव 26 जुलाई को रीवा से वर्चुअली करेंगे लोकार्पण

शहडोल। रीवा एवं शहडोल संभाग के क्षेत्रीय पर्यटन सम्मेलन पर्यटन कॉन्कलेव का आयोजन 26 एवं 27 जुलाई को रीवा के कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। जिसका शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मुख्य कार्यक्रम 26 जुलाई को दोपहर 2 बजे कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में करेंगे। इस कॉन्कलेव का उद्देश्य विंध्य क्षेत्र विशेषकर रीवा एवं शहडोल संभाग में पर्यटन क्षेत्र में निवेष को प्रोत्साहित करना और पर्यटन अधोसंरचनाओ एवं सेवाओ के समग्र विकास के साथ पर्यटको को आकर्षित करना है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, पर्यटन संकृति व धार्मिक न्यास मंत्री धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी सहित अन्य जनप्रतिनिधियो की उपस्थिति में किया जाएगा।मध्यप्रदेश राज्य विकास निगम मध्यप्रदेश शासन द्वारा भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से शहडोल संभागीय मुख्यालय के पास ग्राम बरुका में संभाग के युवकों को पर्यटन व आतिथ्य सत्कार क्षेत्र में प्रशिक्षित कर उन्हें रोजगार उपलब्ध करने के लिए फूड क्राफ्ट इंस्टिट्यूट शहडोल का संचालन किया जायेगा। जिसका का लोकार्पण प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 26 जुलाई को शाम 6 बजे रीवा में आयोजित रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव में वर्चुअली रूप से किया जाएगा। पर्यटकों की खुशहाली के लिए मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम कटिबद्ध है । प्रदेश में आये सैलानियों को बेहतर सेवाएँ उपलब्ध करने उद्देश्य से प्रशिक्षित मानव संसाधन के निर्माण हेतु संस्थान का संचालन किया जायेगा। फूड क्राफ्ट इंस्टिट्यूट जिला मुख्यालय शहडोल ग्राम बरूका में किया जा रहा है, जो संभागीय मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूर स्थित है। उक्त संस्थान का निर्माण कुल 1562.45 लाख में राज्य शासन से 812.45 लाख व केंद्र शासन से 750.00 लाख राशि से कराया गया है। फूड क्राफ्ट इंस्टिट्यूट शहडोल के अंतर्गत इंस्टिट्यूट बिल्डिंग, 22 छात्रों हेतु बालिका छात्रावास, 48 छात्रों हेतु बालक छात्रावास, स्टाफ क्वाटर, प्रिंसिपल क्वाटर, पी सी सी रोड, बाउंड्री वाल, गार्डेन लैंड स्केपिंग व विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण कर संस्था में प्रशिक्षण हेतु आवश्यक किचन, रेस्टोरेंट, लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब, डेमो रूम, क्लास रूम एग्जामिनेशन हाल का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय की एफिलिएटिंग बॉडी एनसी एच एम्?सीटी नॉएडा के एफिलिएसन उपरांत संस्थान में डेढ़ वर्षीय डिप्लोमा कोर्सेस कक्षा 12 वीं उपरांत फूड प्रोडक शन, फूडएण डबेवरेज सर्विस, फ्रंट ऑफिस, हाउस कीपिंग, व कक्षा 10 वीं उपरांत क्राफ्टमैंनशिप सर्टिफिकेट कोर्स इन फूड प्रोडक्सन, क्राफ्टमैंनशिप सर्टिफिकेट कोर्से इन फूड एंड बेबरेज सर्विस सत्र 2026-27 से संचालित किये जायेंगे।वर्चुअली रूप से आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में सांसद, शहडोल संसदीय क्षेत्र श्रीमती हिमांद्री सिंह, सीधी संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह, विधायक जैतपुर जयसिंह मरावी, विधायक ब्यौहारी शरद कोल, अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती प्रभा मिश्रा, सदस्य जिला योजना समिति श्रीमती अमिता चपरा, जनपद अध्यक्ष सोहागपुर श्रीमती हीरावती कोल सहित प्रषासनिक अधिकारी, गणमान्य नागरिक, प्रिंट एवं इलेक्टॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है।

खबर संक्षेप

तीर्थ यात्रा के लिए पांच श्रद्धालुओं का जत्था हुआ रवाना

कोतमा। शुक्रवार को कोतमा नगर के पांच श्रद्धालुओं का जत्था मंदिर पूजा कर बाबा बैजनाथ धाम सहित अन्य तीर्थ स्थान के लिए रवाना हुआ। इस दौरान नगर वासियों द्वारा तीर्थ यात्रियों का ठाकुर बाबा धाम में तिलक लगाकर नारियल भेंट कर उनके मंगल यात्रा के लिए रवाना किया। बाबा बैजनाथ धाम जाने वाले अनिरुद्ध ताम्रकार, अजय ताम्रकार, विश्वास सोनी ने बताया कि बाबा बैजनाथ धाम से पहले सुल्तानगंज से जल भरेंगे जाएंगे वहां से बैजनाथ एवं बासुकीनाथ में जल चढ़ाते हुए काशी विश्वनाथ, प्रयागराज, चित्रकूट के धार्मिक स्थलों का दर्शन किया जाएगा। एक सप्ताह की यात्रा कर वापसी होगी। अनिरुद्ध एवं अजय के द्वारा पिछले कई वर्षों से बाबा बैजनाथ की धाम के दर्शन एवं जल चढ़ाने जाते हैं।

कलेक्टर ने मास्टर ट्रेनर्स की जानकारी उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

उमरिया। भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय व्दारा अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित दृष्टिकोण के अनुरूप आदि कर्मयोगी अभियान प्रारंभ किया जा रहा है । कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, वनमंडला अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग से कहा है कि 7-7 जिला स्तरीय तथा 5-5 विकासखंड स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स प्रति विकासखंड स्तर पर नियुक्ति निर्धारित प्रपत्र में 28 जुलाई तक सहायक आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

शादी के बाद मिले ताने, लात, गाली और धमकी

दहेज की बेड़ियों में जकड़ी एक और बेटी

महिला थाना बिलासपुर पहुंची पीड़िता शगूफी खान
पति सहित चार ससुरालजनों पर प्रताडऩा का आरोप

शहडोल। जिस निकाह को नई शुरुआत समझा था, वह दहेज के लोभियों के बीच शगूफी खान के लिए यातना शिविर बन गया। शादी के दिन से ही आंखें तरेरने वाले ससुरालजनों ने दो-तीन दिन की मुस्कान के बाद तानों, धमकियों और मारपीट से उसका स्वागत किया। 'भिखारी घर की लडक़ी' कहकर जलील किया गया और गर्भावस्था में धक्का देकर मानवता को शर्मसार किया गया। शगूफी खान निवासी गणेश नगर चुचुहियापारा, थाना सिरगिट्टी जिला बिलासपुर ने बताया कि उसका निकाह 6 नवम्बर 2022 को आरिफ खान, पिता रफीक खान निवासी बुढ़ार (म.प्र.) के साथ बिलासपुर में संपन्न हुआ। सामाजिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न इस विवाह की मिठास उस वक्त कड़वी हो गई जब दहेज की 'इन्वेंट्री' देखकर दूल्हे और उसके परिजन नाक-भौं सिकोडऩे लगे। ऐसा लग रहा था जैसे उन्हें बहू नहीं, ईएमआई पर खरीदा हुआ सामान मिला हो जो 'ब्रांडेड' नहीं है।

सामूहिक साजिश में तब्दील हुआ ससुराल

शगूफी बताती हैं कि शादी के शुरुआती दो-तीन दिन सब ठीक रहा, लेकिन उसके बाद सास शकिला बेगम, ननद शमा परवीन और शाहिना दानिश मिर्जा ने मिलकर मानो 'दहेज प्रताडऩा मिशन' शुरू कर दिया। पति आरिफ खान भी घरवालों की बातों में हां में हां मिलाकर खुद को 'मुख्य संचालक' की भूमिका में ला खड़ा हुआ। तानों का सिलसिला शुरू हुआ, कहाँ से उठा लाए हो, दहेज का सामान कबाड़ है, भिखारिन है ये। घर का हर कोना, हर दीवार तानों और गालियों से गूंजने लगा।

गर्भवती महिला को धक्का

पीड़िता का आरोप है कि मानसिक प्रताडऩा के साथ-साथ उसे शारीरिक रूप से भी प्रताड़ित किया गया। छोटी-छोटी बातों पर ससुराल वाले उसे घर से बाहर निकालने को कहते, जैसे वह किरायेदार हो। दोनों ननदों ने कई बार मारपीट की

और पति ने सिर्फ गाली देना ही अपना 'विवाहिक कर्तव्य' मान लिया था। इलाज तक से वंचित किया गया। गर्भावस्था के दौरान जब उसे अतिरिक्त देखभाल की जरूरत थी, तब उसे धक्का दे दिया गया। पति की ओर से धमकी मिली, 'अगर मायके से पैसे नहीं लाई, तो जान से मार दूंगा और इस घर में घुसने नहीं दूंगा।'

दहेज नहीं तो दुल्हन भी नहीं

शगूफी के अनुसार, सास और ननदें अक्सर आपस में गुट बनाकर उसे प्रताड़ित करतीं। अच्छा मारो इसे, इसके जैसे को तो पहले ही भगा देना था, ऐसे शब्द रोज़ की भाषा बन चुके थे। ऐसा लगता था जैसे घर में बहू नहीं, कोई 'दहेज एप्लिकेशन' इंस्टॉल हो गई हो, जो अपडेट न मिलने पर फॉर्मेट की जा रही है। इन हालातों से तंग आकर शगूफी खान ने महिला थाना जिला बिलासपुर (छत्तीसगढ़) में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उसने मांग की है कि उसके पति आरिफ खान, सास शकिला बेगम, ननंद शमा परवीन और शाहिना दानिश मिर्जा के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए।

दहेज प्रथा जमीन पर कायम

देश में दहेज प्रथा के खिलाफ सख्त कानून बने हैं, लेकिन जब तक सामाजिक मानसिकता नहीं बदलेगी, तब तक ऐसी बेटियाँ शगूफी बनती रहेंगी। दहेज के भूखे लोगों के लिए बहू एक इनवेस्टमेंट है और शादी एक सौदा। जब तक दुल्हन के साथ सम्मान का रिश्ता नहीं जुड़ता, तब तक समाज के माथे पर यह कलंक यूँ ही चिपका रहेगा।

समाज को बदलना होगा, नहीं तो हर शगूफी रोती रहेगी

यह घटना केवल शगूफी की नहीं, बल्कि उस मानसिकता की नंगी तस्वीर है, जो लडक़ी को दहेज की थैली के बिना घर में जगह नहीं देती। अब समय आ गया है कि समाज ऐसे मामलों में चुप बैठने की बजाय कठोर कदम उठाए। पुलिस को भी चाहिए कि ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजे, ताकि बाकी आरिफ खान जैसे लोग सबक सीख सकें।

नवांकुर सखियों का आह्वान पर्यावरण संरक्षण को बनाएं जन अभियान

उमरिया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद ने 'नवांकुर योजना' के अंतर्गत पंजीकृत नवांकुर सखी के माध्यम से 'नवांकुर सखी एवं हरियाली यात्रा' का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विकास खंड पाली के नवांकुर संस्था नगर विकास प्रस्फुटन समिति सेक्टर क्रमांक 2 के माध्यम से किया गया। इस कार्यक्रम में ग्रामवासियों, महिलाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान विकासखंड समन्वयक ने सक्रिय सहभागिता की। आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसडीएम पाली अंबिकेष प्रताप सिंह ने सभी को हरियाली अमावस्या की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं की भूमिका बेहद अहम है। उन्होंने अपील की है कि महिलाएं अपने घरों में पौधे तैयार करें और उन्हें बच्चों के जन्मदिन या वैवाहिक वर्षगाँठ पर लगाएं। पाली विकासखंड के कुमुर्दू में जिला समन्वयक रविन्द्र शुक्ल एवं विकासखंड समन्वयक पुष्पा टेकाम एवं ग्रामवासी और माताएं बहनें मौजूद रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम कुमुर्द में महिलाओं के एकत्रीकरण के साथ हुई। इसके उपरांत कलश यात्रा के रूप में पूरे गांव में भ्रमण किया गया। इस यात्रा के माध्यम से ग्रामवासियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कलश पूजन से किया गया, इसके बाद संरक्षण की शपथ के साथ महिलाओं को पौधे प्रदान किए गए। जिला समन्वयक ने कहा 'नवांकुर सखी' एवं 'हरियाली यात्रा' कार्यक्रम का उद्देश्य बताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पूरे प्रदेश में संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि महिलाओं को बीज रोपित थैलियां वितरित की जा रही हैं, जिनमें बीजों का संरक्षण

कर पौधे तैयार किए जाएंगे और उन्हें विशेष अवसरों पर रोपित किया जाएगा। विकासखंड समन्वयक पुष्पा टेकाम ने जन अभियान परिषद के कार्यों की विस्तायर पूर्वक जानकारी दी । उन्होंने बच्चों की शिक्षा और ग्राम को ष्नशा मुक्त एवं हरा-भराष बनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा, ष्हम पेड़ों की देखभाल उसी तरह करें जैसे अपने बच्चों की करते हैं। कार्यक्रम का समापन भजन प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसमें महिलाओं ने भावपूर्ण गीतों के माध्यम से प्रकृति प्रेम और हरियाली का संदेश दिया। समापन के दौरान नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सभी का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी कार्यक्रमों में सहयोग की अपील की। इस अवसर पर ग्राम के जन प्रतिनिधियों प्रकाश पालीवाल , सरपंच माया एवं अनुविभागीय अधिकारी पाली अंबिकेश प्रताप सिंह , एवं उपसरपंच कोमल सिंह जनप्रतिनिधि हरभजन सिंह नारायण सिंह ,नवांकुर संस्था नगर विकास प्रस्फुटन समिति सेक्टर क्रमांक 2 के अध्यक्ष एवं कृष्णा विश्वकर्मा , माया उपाध्याय , छात्र रोहन सिंह, वैशाली सिंह, अजय चौधरी ,सचिन विश्वकर्मा ,आरती विश्वकर्मा ,एवं परामर्शदाता संजय कुमार साहू, उषा प्रजापति शामिल रहे।

सचिव को सीईओ जिला पंचायत ने किया निलंबित

उमरिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने सरोज गुप्ता, पंचायत सचिव, तत्कालीन ग्राम पंचायत खलौध वर्तमान ग्राम पंचायत भरेवा, जनपद पंचायत मानपुर को मध्यप्रदेश पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम 1993 के भाग दो निलंबन (ख) के प्रावधान तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है । पंचायत मानपुर से प्राप्त पत्र द्वारा बेनीबाई लोहार पति रामसुजान लोहार निवासी ग्राम खलौध की समग्र पोर्टल पर समग्र आई.डी. सरोज गुप्ता तत्कालीन पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत खलौध के द्वारा डिलीट कर दी गई । उक्त लापरवाही के कारण मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत मानपुर को कारण बताओं सूचना पत्र जारी कर जवाब लिया गया । श्रीमती सरोज गुप्ता, तत्कालीन पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत खलौध तथा वर्तमान सचिव ग्राम पंचायत भरेवा के द्वारा संतोषप्रद जवाब नही दिया गया तथा डिलीट सामग्र आईडी के संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत मानपुर जिला उमरिया को जानकारी नही दी गई । सरोज गुप्ता, तत्कालीन पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत खलौध वर्तमान सचिव ग्राम पंचायत भरेवा की लापरवाही पूर्ण कृत्य के कारण बेनीबाई लोहार पति रामसुजान लोहार की समग्र सदस्य आईडी डिलीट होने के कारण शासन की योजनाओं का लाभ उक्त परिवार को प्राप्त नही हो रहा है। पंचायत सचिव के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही किये जाने का प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया है।

कन्या शिक्षा परिसर में सक्षम प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। कन्या शिक्षा परिसर पाली विकासखंड में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर्स ने जीवन कौशल कार्यक्रम के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जीवन कौशल कार्यक्रम के उद्देश्य और महत्व, सत्रों के प्रकार और सत्र संरचना, स्कूल में सक्षम कार्यक्रम के लिए आवश्यक सामग्री, शिक्षकों और मास्टर ट्रेनर्स की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां के बारे में बताया गया।

प्रशिक्षण में मैजिक बस के जिला कार्यक्रम प्रबंधक महारन प्रताप सिंह , ब्लॉक प्रबंधक संदीप शुक्ला प्रशिक्षक , मास्टर ट्रेनर्स संजय पांडेय, सतीश मरावी और वीरेंद्र गर्ग द्वारा प्रशिक्षणार्थी के रूप में सक्रिय सहभागिता दी गई सक्षम सत्र के डेमो के दौरान कन्या शिक्षा परिसर की छात्राओं की सहभागिता ली गई । मास्टर ट्रेनर्स ने जीवन कौशल कार्यक्रम के बारे में गहन जानकारी हासिल की। अब मास्टर ट्रेनर्स जीवन कौशल पाठ्यक्रम वर्ष 2 पर शिक्षको को प्रशिक्षित कर शिक्षकों की समझ विकसित करेंगे। स्कूल में सक्षम कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने में मास्टर ट्रेनर्स की समझ विकसित की गई । प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद, मास्टर ट्रेनर्स शिक्षको को जीवन कौशल पाठ्यक्रम पर एक दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान करेंगे जिससे शिक्षक कार्यक्रम के बारे में जानकारी प्राप्त करने में सक्षम होंगे और स्कूल में सक्षम कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने में सक्षम होंगे।

बिन पानी सब सून ....

ग्राम पंचायत बसखली के नल से नहीं निकल रहा जल

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कहने को तो सरकार के द्वारा हर घर नल योजना संचालित कर रही है। सरकार की मंशा है कि शहर से लेकर गांव तक प्रत्येक घरों में नल जल योजना के माध्यम से पानी की सप्लाई सुचारू रूप से हो सके जिसके लिए सरकार करोड़ों रुपए खर्च कर ग्रामीण क्षेत्रों के हर गांव में नल जल योजना के तहत पानी टंकी का निर्माण पाइपलाइन का विस्तार के साथ ही हर घर में पाइप लाइन के माध्यम से नल जल का कनेक्शन देने का कार्य कर रही है लेकिन ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों के द्वारा पानी जैसे महत्वपूर्ण योजना पर पलीता लगाया जा रहा है जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी लोग पीने के पानी के लिए परेशान होते नजर आते हैं। सबसे ज्यादा परेशानी बारिश के मौसम में होती है जब लोग झमाझम बारिश में कुआं हैंड पंप से पानी भरते परेशान होते नजर आते हैं। ऐसा ही एक मामला जनपद पंचायत कोतमा अंतर्गत ग्राम पंचायत बसखली के ग्राम मौहरी का सामने आया है जहां लोगों को नल जल योजना का लाभ ही नहीं मिल पा रहा है जिसके कारण लोग कुआं या हैंडपंप का सहारा लेते नजर आ रहे हैं। मौहरी गांव में लगभग दो से ढाई सौ घर हैं जिनकी आबादी लगभग चार सौ पचास के करीब है।

नल से नही निकल रहा जल

ग्राम पंचायत बसखली के ग्राम मोहरी में ग्रामीणों ने बताया कि एक माह से ज्यादा समय से गांव मे संचालित नलजल योजना बंद पड़ी है। बताया जाता है कि मेन बोर बसखला गांव मे लगा है और वहां से पाइपलाइन के माध्यम से पानी टंकी मे भरा जाता है और वह बोर में लगा मोटर बिगड़ गया है साथ ही बोर भी सफल नही है जिसके कारण पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता। ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों के द्वारा यह कहा जाता है कि जल्द ही पंप का सुधार कर करवाया जाएगा लेकिन एक माह से ज्यादा समय बीतने को है मोटर का सुधार कर नहीं करवाया गया जिसके कारण नल जल योजना बंद पड़ी है।

कुआं, हैंड पंप से लाते हैं पानी

मौहरी गांव के ग्रामीणों ने बताया कि गांव में स्थित कुआं और हैंड पंप से घर के उपयोग के लिए हम लोग पानी लाने को मजबूर हैं बारिश का मौसम होने के कारण परेशानियों का सामना करते हुए बारिश में भीगते हम लोग कुआं हैंड पंप से पानी भरकर लाते हैं जिसके कारण घर के बच्चों एवं महिलाओं को परेशानी होती है।

हैंडपंप से भी नही मिलता पानी

मौहरी गांव में तीन हैंड पंप लगे हुए हैं जिसमें दो चालू हालत में है उनसे भी पर्याप्त पानी नहीं निकलता है जिसके कारण गांव से एक किलोमीटर दूर कुआं या तालाब से पानी ढोकर लाते हैं। बारिश का मौसम होने के कारण लोगों को पानी के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है उसके बाद भी ग्राम पंचायत के जिम्मेदार लापरवाही भारत रहे हैं और बोर में लगे मोटर का मरम्मत कर नहीं करवा रहे हैं जिसके कारण ग्रामीणों में गुस्सा भी देखा जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि दूसरे ग्राम पंचायत बसखला गांव में बोर है बोर ही यहां सफल नहीं है जिसके कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश का मौसम होने के कारण तालाब एवं कुआं का पानी खराब एवं गंदा हो जाता है और उसे पानी को लोग पीने एवं खाना बनाने के उपयोग में ला रहे हैं जिसको लेकर भी ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति गुस्सा दिखाई दे रहा है।

ग्रामीणों की जुबानी, उनकी परेशानी

मौहरी गांव के मोहम्मद रईस ने बताया कि 1 माह से ज्यादा समय हो गया है बोर का मोटर बिगड़ा है कई बार हमारे द्वारा सरपंच सचिव को नल जल योजना प्रतिदिन संचालित करने के बारे में कहा गया लेकिन उनका कहना है की मोटर बिगड़ा हुआ है जल्दी सुधार कर करवाया जाएगा मजबूरी में हम लोग कुआं एवं हैंड पंप से पानी लाने को मजबूर है जिसके कारण हमारे घर की महिलाओं एवं बच्चों को परेशानी होती है बारिश का मौसम होने के कारण खासकर जब झमाझम बारिश होती है तब और भी परेशानी होती है। गांव के ननकू सिंह बुजुर्ग बताते हैं कि हमारे गांव में तीन हैंड पंप लगे हैं उनमें से मात्र दो हैंड पंप चालू हालत में है जिसमें भी सही ढंग से पानी नहीं निकलता है जिसके कारण हम लोग गांव के बाहर लगभग 1 किलोमीटर दूर से कुआं एवं ढोडी से पानी लाने को मजबूर है बरसात का मौसम होने के कारण कुआं एवं तालाब का पानी भी गंदा रहता है सरकार की मंशा पर जिम्मेदारों के द्वारा पानी फेर जा रहा है जिसके कारण नल जल योजना का लाभ सही ढंग से हम लोगों को नहीं मिल पा रहा है।

इनका कहना है

मोटर का सुधार कार्य करवा दिया गया है। मिस्त्री नही मिलने के कारण मोटर नही डल पा रहा है इस समय किसानी के कार्य में सब व्यस्त हैं।

अशोक तिवारी, सचिव
ग्राम पंचायत बसखली

नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज, अनूपपुर। जन अभियान परिषद के नेतृत्व में 24 जुलाई को हरियाली अमावस्या के अवसर पर वि. ख. अनूपपुर से. क्र.5 ग्राम मलगा में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का आयोजन किया गया। जमुना कोतमा हरियाली अमावस्या प्रकृति से जुड़ा एक सांस्कृतिक, पौराणिक और पर्यावरणीय पर्व है और जिला समन्वयक उमेश पांडेय के द्वारा इसके महत्व के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। सभी नवांकुर सखी को पौधे भेंट किए गए और नवांकुर सखी हरियाली यात्रा के कार्यक्रम अंतर्गत यात्रा का आयोजन कर उन्हें एक साल तक पौधे की देखरेख एवं संरक्षण का दायित्व दिया गया और अगले साल हरियाली अमावस्या में पौधे के रोपण का संकल्प लिया गया तत्पश्चात एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत पौधारोपण किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्रा.पंचायत मलगा सरपंच श्रीमती रेखा सिंह जी,जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक उमेश कुमार पांडेय नवांकुर संस्था पसान प्रतिनिधि विकास कुमार, सचिव कृष्ण कुमार तिवारी रोजगार सहायक तुलसीदास साहू मोबाइलाइजर श्रीमती माया परामर्शदाता श्रीमती शिवानी सिंह श्रीमती कृष्णा देवी छात्र पारसराज शुभांसी नेहा निशॉ दुर्गा यशोदा पूजा माया पूजा एवं स्थानीय महिलाओं की सहभागिता रही।

नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का किया गया आयोजन

कलश यात्रा के साथ हुई आयोजन की शुरूआत

हरिभूमि न्यूज, कोतमा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग मप्र शासन के संयुक्त तत्वावधान में "नवांकुर सखी हरियाली यात्रा" का आयोजन ग्राम पंचायत बैहाटोला टोला में संपन्न हुआ। सेक्टर-4 की नवांकुर संस्था जीएस हितकारिणी समिति, विकासखंड कोतमा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी ने आयोजन को नई ऊंचाई प्रदान की। कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम की महिलाओं द्वारा काली मंदिर से कलश यात्रा निकालकर दुर्गा मंदिर होते हुए सामुदायिक भवन बैहा टोला तक की गई। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा एवं लोकगीतों के साथ हरियाली का संदेश देती हुई यात्रा में शामिल रहीं।

वृक्षारोपण जीवन रक्षा का मंत्र-भगवानदास मिश्रा

मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार भगवानदास मिश्रा ने कहा कि कोविड काल ने हमें ऑक्सीजन के महत्व को गहराई से समझाया। जिस हवा को प्रकृति हमें मुफ्त देती है, उसी के लिए हमें महामारी में सिलेंडर खरीदने पड़े। हमें इस बात को समझना होगा कि हर शुभ अवसर परकृजन्मदिन, शादी की सालगिरह, बच्चों का जन्मकृएक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए। उन्होंने साझा किया कि वे वर्ष

2020 से लगातार पौधारोपण कर रहे हैं और वृक्षों की देखरेख को बच्चों की तरह करते हैं। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि पौधे सिर्फ लगाए नहीं, उन्हें जीवित रखें। कार्यक्रम अध्यक्ष जीवन सिंह, जनपद अध्यक्ष कोतमा ने कहा कि अगर हम चाहते हैं कि हमारी आने वाली पीढ़ी सुरक्षित रहे, तो हमें प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए हर व्यक्ति को साल में एक पौधा जरूर लगाना चाहिए। जन सहयोग से ही हरियाली संभव है। कलश यात्रा एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम में ग्राम की समस्त महिला सदस्यों की भागीदारी रही। इनमें प्रमुख रूप से राजकुमारी पाव कुशुम बाई उर्मिला बाई तरसिया बाई निर्मला सिंह प्रेम वती सीता बाई ममता सिंह सुनीता सिंह सहित अन्य अनेक महिलाओं ने सक्रिय योगदान दिया।कार्यक्रम को सफल बनाने में जीएस हितकारिणी समिति के सचिव ओंकार सिंह, जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक सरिमन साकेत, कोशिस फाउंडेशन के अध्यक्ष सौरभ मिश्रा, मेंटर नजीर खान कान्हा जनकल्याण से महेन्द्र यादव सी. एम. सी. डी. पी के छात्र एवं उनकी पूरी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इनके साथ-साथ नवांकुर सदस्यों और स्थानीय युवाओं ने भी आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई।नवांकुर सखी हरियाली यात्रा" सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और सहभागिता का एक सशक्त उदाहरण बनकर उभरा। ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि हर वर्ष कम से कम एक पौधा जरूर लगाएंगे और उसकी देखभाल करेंगे। इस प्रकार के कार्यक्रमों से ही धरती को हरा-भरा और जीवन को सुरक्षित रखा जा सकता है।

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने जनजातीय कन्या शिक्षा परिसर जयसिंहनगर का किया निरीक्षण

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने तहसील जयसिंहनगर के जनजातीय कन्या शिक्षा परिसर जयसिंहनगर का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान जनजातीय कन्या शिक्षा परिसर मे अध्ययनरत छात्राओ से संवाद कर अध्ययन, खेलकूद सुविधाओ एवं आवासीय सुविधा भोजन एवं नास्ता, परिसर एवं शौचालयों की साफ-सफाई का निरीक्षण किया तथा अध्ययनरत छात्राओं से मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने जयसिंहनगर के स्थानीय जनजातीय समुदाय के लोगो से संवाद किया तथा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत किये गए कार्यों के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर को सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिंहा द्वारा बताया गया कि धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत शिविर का आयोजन किया गया था जिसमें लोगो के आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड सुधार जैसे अन्य कार्य किये गए थे तथा विभिन्न योजनाओ से पात्र लोगो के आवेदन लेकर पात्रता अनुसार निराकरण किया गया है। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्रीमती शिवानी जैन सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

नगर परिषद बनगवां मे आयोजित किया गया वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम

राजनगर। नगर परिषद (बनगवां) राजनगर द्वारा हरित क्रांति के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 12 व वार्ड क्रमांक 14 में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संतुलन बनाए रखना, बढ़ते प्रदूषण को रोकना एवं आने वाली पीढ़ियों को हरित वातावरण प्रदान करना रहा। इस अवसर पर नगर परिषद के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, स्थानीय विद्यालयों की छात्राएं, समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने सहभागिता कर पर्यावरण के प्रति अपनी जागरूकता और प्रतिबद्धता का परिचय दिया। वृक्षारोपण करते समय लोगों में उत्साह और जागरूकता देखने को मिली। कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी राममिलन तिवारी, नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह, उपाध्यक्ष धनंजय सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता गजेंद्र सिंह सिकरवार, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रेमचंद यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेंद्र त्रिपाठी, धर्मेंद्र सिंह जिला अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुरेश गौतम, राजेश कलसा पूर्व मंडल अध्यक्ष, कमलेश चतुर्वेदी मंडल अध्यक्ष भाजपा राजनगर, हरिशंकर दुबे, पार्षद समयलाल पटेल, गिरजा विश्वकर्मा, स्थानीय विद्यालयों के छात्र छात्राएं एवं नगर परिषद के कर्मचारी तथा आमजन के साथ स्थानीय पत्रकार उपस्थित रहे।

प्रशासन के आश्वासन के बाद भी जांच नहीं हुई, पुनः तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

बक्हो नगर परिषद के भ्रष्टाचार की नहीं हुई जांच

बुढार। नगर परिषद बकहो के भ्रष्टाचार के संबंध में जांच कमेटी के गठन वावत कार्यवाही हेतु व कार्यवाही न होने पर आमरण अनशन के संदर्भ में पूर्व में नेता प्रतिपक्ष नगर परिषद बकहो एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बुढार तथा मंडलम कांग्रेस कमेटी बकहो द्वारा संयुक्त नेतृत्व में नगर परिषद के भ्रष्टाचार को लेकर 6 दिवसीय क्रमिक अनशन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसके दौरान तहसीलदार बुढार, सीएमओ बकहो, थाना प्रभारी अमलाई और अनशनकारियों की उपस्थिति में अनशन स्थल पर लिखित रूप से अस्वस्थ किया गया था कि जिन-जिन विषयों को लेकर आंदोलन के रूप में अनशन किया गया है उन समस्त विषयों की जांच हेतु जिला स्तरीय जांच कमेटी गठित कर नेता प्रतिपक्ष को शामिल करते हुए नेता प्रतिपक्ष की उपस्थिति में एक माह के अंदर जांच कराई जाएगी किंतु आज दिनांक तक कोई भी ना तो जांच कमेटी का गठन हुआ ना ही जांच की प्रक्रिया आगे बढ़ी और ना ही कोई कार्यवाही की गई,

तहसील एक न्यायपालिका है जिस पर हर एक व्यक्ति को हर एक सामाजिक संगठन को हर एक राजनीतिक व्यक्ति को हर एक राजनीतिक पार्टी को भरोसा है किंतु जिस तरीके से लिखित आश्वासन के बाद भी न्यायपालिका के रूप में आपके द्वारा कोई भी कार्यवाही नहीं की गई है निश्चित रूप से यह आपके पद एवं न्यायपालिका के अनुरूप सार्थक कदम नहीं है उम्मीद है की एक सप्ताह के अंदर नगर परिषद के विरुद्ध किए गए भ्रष्टाचार के विभिन्न विषयों पर जांच कमेटी गठित करते हुए नेता प्रतिपक्ष को शामिल कर जांच कराई जाएगी हमें आपके कार्यों और न्यायपालिका के प्रति अभी भी भरोसा है फिर भी यदि एक सप्ताह में ऐसी कोई कार्यवाही नहीं होती है तो मजबूरन नगर परिषद कार्यालय के समक्ष या तहसील कार्यालय के समक्ष नेता प्रतिपक्ष के द्वारा आमरण अनशन किया जाएगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन एवं प्रशासन की होगी। रेखा राव नेता प्रतिपक्ष नगर परिषद बक्हो।

बीटीसी का औचक निरीक्षण प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर ज़ोर

महाप्रबंधक ने किया बीटीसी का निरीक्षण

धनपुरी। बीटीसी केंद्र का औचक निरीक्षण अजीत कुमार मिश्रा द्वारा किया गया। उन्होंने वहां चल रही गतिविधियों की समीक्षा करते हुए संतोष जताया। साथ ही भविष्य में बीटीसी के उन्नयन हेतु कंटीन्यूअस माइनर के लिए आधुनिक कक्षाओं की आवश्यकता बताई।

क्लास 8 एरिया होगा शामिलमिश्रा ने आश्वस्त किया कि कंटीन्यूअस माइनर के लिए क्लास-8 एरिया को शीघ्र कवर किया जाएगा। उन्होंने फर्नीचर की कमी पर असंतोष जताते हुए शीघ्र समाधान के निर्देश भी दिए।साथ रहे अधिकारी निरीक्षण के दौरान एरिया ट्रेनिंग ऑफिसर एवं सहायक प्रबंधक गोविंद कुमार सिंघल उपस्थित रहे और आवश्यक सूचनाएं प्रदान कीं। महाप्रबंधक का दौरा महाप्रबंधक महोदय ने भी प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण किया। यहां संचालित चार रिफ्रेशर ट्रेनिंग की मौखिक समीक्षा की गई और प्राप्त फीडबैक के आधार पर एटीओ को सुधारात्मक निर्देश दिए गए।

आईआरपी पर विशेष प्रशिक्षण सोहागपुर क्षेत्र की विभिन्न खदानों से आए 30 अधिकारियों व स्टाफ को आईआरपी से जुड़ी एसएपी, डिस्पैच व एक्सप्लोसिव संबंधी प्रक्रियाओं पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का संचालन श्री अमित सिंह एवं मनीष पांडे द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से किया गया।पूर्व महाप्रबंधक का सम्मान प्रशिक्षण शुभारंभ अवसर पर पूर्व क्षेत्रीय महाप्रबंधक मनीष श्रीवास्तव का पुष्पगुच्छ से स्वागत कर अभिनंदन किया गया। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई।समस्याओं का समाधान होगा महाप्रबंधक ने प्रशिक्षण में उपस्थित सभी से परिचय प्राप्त किया और आईआरपी में आने वाली समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया।मिशन नचिकेता की समीक्षा रीजनल ऑफिसर गोविंद सिंघल ने जानकारी दी कि मिशन नचिकेता के अंतर्गत सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रभावशाली रूप से संचालित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि निरीक्षण हेतु आईएसओ टीम बिलासपुर से बीटीसी आने वाली है।

नगर पालिका व्यवहारी द्वारा हटाया गया अतिक्रमण

ब्यौहारी। नगर परिषद व्यवहारी द्वारा पंडित राम किशोर शुक्ल स्मृति महाविद्यालय बनी बाउंड्री में अतिक्रमण कर रहे हैं व्यापारियों को हटाकर वह जमीन अतिक्रमण मुक्त किया है अपनी जमीन अतिक्रमण मुक्त करवाने के लिए जन भागीदारी समिति शासकीय कला एवं बाल विद्यालय के अध्यक्ष के द्वारा नगर परिषद को एक पत्र लिखा गया था जो पत्र क्रमांक 32 दिनांक 22.7.25. इसी पत्र के माध्यम से नगर परिषद ब्यौहारी के द्वारा बने शासकीय कॉलेज की बाउंड्री जमीन खाली कराई गई जो विगत कई वर्षों से नगर के व्यापारियों द्वारा कब्जा की गई थी उसे नगर परिषद व्यवहारी द्वारा कब्जा मुक्त कर दिया गया है और वहां हिदायत दी गई है कि यहां दोबारा कोई भी अपनी दुकान संचालित नहीं करेगा यदि संचालित करते पाया जाता है तो उसके ऊपर कठोर कार्रवाई की जावेगी इस अटकेम हटाने में उपस्थित रहे नगर पालिका के अधिकारी एवं कर्मचारियों का फुल सहयोग रहा

ओरिएंट पेपर मिल्स में हुई दुर्घटना की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिया ज्ञापन

अमलाई। भारतीय जनता पार्टी मंडल बकहो के पदाधिकारियों ने अमलाई थाना प्रभारी को एक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन ओरिएंट पेपर मिल्स अमलाई में हुई एक दुर्घटना को लेकर दिया गया, जिसमें शिफ्ट इंजीनियर मनीष सिंह की मौत हो गई थी। ज्ञापन में मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार दुबे ने उल्लेख किया कि ओरिएंट पेपर मिल्स में लगातार लापरवाही के चलते ऐसी घटनाएं हो रही हैं। प्रबंधन की उदासीनता और सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण यह हादसे बार-बार सामने आ रहे हैं।ज्ञापन में मांग की गई है कि दुर्घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। मंडल अध्यक्ष के साथ महामंत्री शिवशंकर गुप्ता, मंडल उपाध्यक्ष अनुपम सिंह, कामता प्रसाद शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विधायक एवं एसडीएम ने हाथियों के मूवमेंट वाले क्षेत्रों का किया निरीक्षण

उत्पाद से प्रभावित लोगों से की चर्चा

शहडोल। ब्यौहारी विधायक शरद कोल एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नरेंद्र सिंह ने ब्यौहारी जनपद पंचायत में जंगली हाथियो के मूवमेंट वाले क्षेत्रों एवं ग्रामों क्रमशः ग्राम पंचायत धाँधोकुई के ग्राम हनुमानपुर एवं झिरिया टोला का निरीक्षण किया। उन्होंने जंगली हाथियों द्वारा किए गए नुकषान से प्रभावित लोगों से मुलाकात की तथा नुकसान के संबंध में ग्रामीणों से संवाद किया। ग्रामीणों ने बताया कि जंगली हाथियों द्वारा कई मकानों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। विधायक नें घटना स्थल पहुंच कर पीड़ित ग्रामीण जनों से जानकारी ली तथा नुकसान का जायजा लिया। विधायक ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि प्रभावित परिवारों को समुचित सुरक्षा प्रदान की जाए एवं उनके नुकसान का शीघ्र सर्वे कर उचित मुआवजा दिलाएं। उन्होंने हाथियों द्वारा किए गए नुकसान से प्रभावित जनों क्रो खाद्यान वितरित किया एवं आमजन की समस्याओ से अवगत होकर सम्बंधित अधिकारियो क्रो त्वरित निराकरण हेतु निर्देशित किया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत विजय सिंह, जिला पंचायत सदस्य पुष्पेंद्र पटेल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

पर्यावरण संतुलन के लिए पौधरोपण जरूरी ग्राम पंचायत पकरिया में निकाली गई हरियाली यात्रा

नवांकुर सखियो को वितरित किये गए पौधे

शहडोल। नवांकुर सखी योजना अंतर्गत जनपद पंचायत बुढ़ार के ग्राम पंचायत पकरिया के ग्राम समदा में जन अभियान परिषद विवेक पाण्डेय के नेतृत्व में हरियाली अमावस्या के अवसर पर हरियाली यात्रा निकाली गई तथा नवांकुर सखियो को पौधे वितरित कर पौधो का रोपण किया गया। जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पाण्डेय ने कहा कि पेड़ पौधे न केवल हमारे जीवन का आधार हैं, बल्कि पर्यावरण को संतुलित रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। पेड़ पौधे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, भूमि के कटाव को रोकते हैं और जीव-जंतुओं का आश्रय स्थल भी होते हैं। पौधरोपण से वर्षा में वृद्धि, तापमान में कमी और हरियाली के साथ-साथ प्राकृतिक सौंदर्य में भी इजाफा होता है। साथ ही हनुमान मंदिर में भजन कीर्तन का गायन किया गया। इस अवसर पर अर्चना पाठक,सुमनलता गुप्ता, लक्ष्मी सोनी स्टापनर्स कुसमती, मीनू जैन, सुरेश मिश्रा ,मेंटर दीप्ति पांडे, कैलाश पांडे ,आनंद यादव और डू के छात्र,एव ग्रामवासी उपस्थित रहें।

भाजपा की साख मिटाने आमादा नगर परिषद अध्यक्ष!

गरीबों पर सितम, धन्नासेठों को सलाम, क्या यही है भाजपा की पहचान?

ब्योहारी। नगर परिषद में इन दिनों विकास नहीं, 'विनाश' की राजनीति परवान चढ़ रही है। जनता से किए चुनावी वादे हवा हो चुके हैं और अध्यक्ष महोदय जनसेवा छोड़ विपक्षियों की 'सेवा' में जुटे हैं, वह चुन-चुनकर उनके रोजग़ार मिटाने में लगे हैं, अतिक्रमण हटाने की आड़ में सत्ता का तानाशाही चेहरा इस कदर उजागर हो रहा है कि अब जनता खुद को ठगा महसूस कर रही है। बसस्टैंड स्थित देवी मंदिर के सामने से अतिक्रमण हटाने के नाम पर चार से छह दुकानों को उखाड़ फेंका गया। बाकी आस-पास की अवैध दुकानें अब भी 'सुरक्षित' हैं। जनता सवाल पूछ रही है, क्या अतिक्रमण केवल उन्हीं कुछ लोगों ने किया था, जिनकी दुकानें तोड़ी गईं? या फिर यह कार्रवाई रंजिश की थी, जो चुनिंदा दुकानदारों पर बरसी? नगर परिषद की इस पक्षपातपूर्ण कार्यवाही ने प्रशासन की मंशा पर ही सवाल खड़ा कर दिया है। अगर अतिक्रमण हटाना उद्देश्य था तो फिर पूरे बसस्टैंड से अतिक्रमण क्यों नहीं हटाया गया? क्या नियम कानून अब चेहरों को देखकर लागू होंगे?

जनता के वादे भूले, अब विरोधियों के पीछे पड़े

अध्यक्ष राजन गुप्ता, जिनकी छवि चुनावी समय में कर्मठ, मृदुभाषी और समर्पित जनसेवक की थी, अब सत्ता मिलते ही तानाशाह की भूमिका में हैं। वार्डों की टूटी सडक़ें, गंदगी से बजबजाती नालियां, कचरे के ढेर, जलभराव, और हर कोने पर अतिक्रमण पूरी कहानी बयां कर रहे हैं, लेकिन इन मूलभूत समस्याओं की ओर किसी का ध्यान नहीं। पार्षद भी अपने वार्ड की समस्याएं छोड़ अध्यक्ष के पिछलग्गू बनकर 'जुगाड़-नीति' में व्यस्त हैं।

राजनीति का उद्देश्यः सेवा नहीं, साजिश!

नगर परिषद में अध्यक्ष का पूरा फोकस अब विकास से हटकर राजनीतिक 'बदला' लेने में है। अपुष्ट सूत्रों की मानें तो उनके कार्यकाल में केवल अनुभवहीन चाटुकारों को ही खरीदी और निर्माण कार्यों में प्राथमिकता दी जा रही है। जो विरोध करे, उसका रोजगार खतरे में है, लोकतंत्र की जगह 'लोभतंत्र' ने ले ली है और प्रशासनिक अमले को हिटलरशाही के औजार की तरह उपयोग किया जा रहा है।

भाजपा की साख पर सवाल

यह सबकुछ भाजपा के उस गढ़ में हो रहा है, जहां कभी विकास और सेवा को प्राथमिकता दी जाती थी, लेकिन आज हालात ये हैं कि भाजपा समर्थित अध्यक्ष की 'तानाशाही' से गरीबों की रोज़ी-रोटी छीन रही है और धन्नासेठों के अतिक्रमण पर आंखें मूंद ली गई हैं। शहर भर में चर्चा है कि नगर परिषद में अब नियम नहीं, संबंध चलते हैं और जो अध्यक्ष से ना बने, वह रोजगार खोने को तैयार रहे। भाजपा की छवि को धूमिल कर रही इस कार्यप्रणाली पर कोई बड़ा नेता संज्ञान नहीं ले रहा। जिन्हें सामने आकर स्थिति संभालनी चाहिए, वे या तो चुप हैं या फिर अपने-अपने बिलों में दुबके बैठे हैं। सवाल यह है कि क्या भाजपा अपनी ही सरकार के नीचे उभर रही जनविरोधी छवि से बेखबर है?

सिंधी समाज के आराध्य देव के चमत्कार और चालीसा उत्सव की भक्ति में डूबा जनसमुदाय

झूलेलाल चालीसा पाठ, भजन और आरती में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, नगर में भक्ति का माहौल

शहडोल। नगर में इन दिनों सिंधी समाज द्वारा आयोजित झूलेलाल भगवान के चालीसा उत्सव की भक्ति लहर हर गली, हर मंदिर और हर दिल को छू रही है। सिंधी समाज के आराध्य देव झूलेलाल, जिन्हें 'उदेरोलाल', 'झूलण जो झूलेलाल' और 'सिंधु दरिया के रक्षक' के रूप में पूजा जाता है, उनके चालीसा उत्सव ने पूरे नगर को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया है। चालीसा उत्सव के अंतर्गत शहर भर में मंदिरों और विशेष पंडालों में सुबह-शाम भजन, आरती और झूलेलाल चालीसा का सामूहिक पाठ किया जा रहा है। श्रद्धालु बड़ी संख्या में जुटकर भगवान झूलेलाल की पूजा-अर्चना कर रहे हैं। आयोजन स्थलों पर भव्य सजावट, भजन मंडलियों की संगीतमय प्रस्तुतियां और आरती की गूंज से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है।

झूलेलाल भगवान के चमत्कारों से जुड़ी जनश्रुतियां

लोककथाओं के अनुसार झूलेलाल का जन्म सिंधु नदी के तट पर नासरपुर (अब पाकिस्तान में) हुआ था। उस समय मुस्लिम आक्रांता मिरखशाह हिंदुओं पर धर्मांतरण का दबाव बना रहा था। तब झूलेलाल ने जल से अवतार लेकर चमत्कारिक शक्ति का प्रदर्शन किया और सिंधु दरिया को शांत कर समाज को भयमुक्त किया। उनका तेज देखकर मिरखशाह भी झुका और हिंदुओं को धार्मिक स्वतंत्रता मिली। इसी कारण झूलेलाल को जल के देवता और सत्य एवं न्याय के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है।

श्रद्धा से सराबोर हुआ नगर

उत्सव के दौरान भक्तजन अपनी आस्था के साथ झूलेलाल की भक्ति में लीन नजर आए। महिलाएं छेज नृत्य, सामूहिक आरती और सेवा कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं, वहीं युवाओं में भी सेवा और संयोजन को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर वर्ग के लोग इस आयोजन में पूरे मनोयोग से शामिल हो रहे हैं।

चमत्कारिक लाभ और आत्मिक शांति

भक्तों का कहना है कि झूलेलाल की पूजा से उन्हें हर संकट में मार्गदर्शन मिला है। कई श्रद्धालु बताते हैं कि चालीसा पाठ से न केवल मानसिक शांति मिलती है, बल्कि कई पारिवारिक समस्याओं और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का समाधान भी मिला है। इससे उनकी श्रद्धा और भी प्रगाढ़ हुई है।

आयोजन समिति की तैयारी और उद्देश्य

आयोजन समिति ने पूरी श्रद्धा और व्यवस्था के साथ चालीसा उत्सव को सफल बनाया है। समिति के सदस्यों का कहना है कि यह आयोजन न सिर्फ धार्मिक आस्था का प्रदर्शन है, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोडऩे का सशक्त माध्यम भी है। उनकी कोशिश है कि आने वाले वर्षों में इसे और भव्य स्वरूप दिया जाए।

समरसता और सेवा का प्रतीक बना आयोजन

झूलेलाल चालीसा उत्सव आज केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, भाईचारे और संस्कृति के प्रति सम्मान का प्रतीक बन गया है। नगर में गूंज रही झूलेलाल की जय की स्वर लहरियां इस बात की गवाही हैं कि आस्था जब सामूहिक होती है, तो उसका प्रभाव समाज के हर वर्ग को जोडऩे वाला बन जाता है।

नौ दिन चले अढ़ाई कोस कहावत की तर्ज पर चल रहा रेलवे स्टेशन सज्जा का कार्य

स्पष्ट दिख रही ठेकेदार की लीपापोती, लगातार की जा रही लापरवाही

कार्यपूर्णता की तिथि दिसंबर 2024 को मिटाकर कर दिया गया केवल 202

जनप्रतिनिधियों के साथ रेलवे अधिकारियों की उदासीनता या मूक सहमति

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बिलासपुर रेल मंडल के अंतर्गत मध्यप्रदेश के उमरिया, शहडोल, अनूपपुर एवं बिजुरी रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना से सुसज्जित करना था। भारतीय रेलवे के स्टेशनों के विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई थी। इस योजना का उद्देश्य दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों का विकास करना है। एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं से सुसज्जित स्टेशन यात्रियों को एक नई और उन्नत रेल यात्रा का अनुभव प्रदान करेगा। अनूपपुर जंक्शन स्टेशन पर भी अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कार्य कार्य प्रारंभ हुए। जिसको दिसंबर 2024 तक पूर्ण करने थे। लेकिन ठेकेदार की लीपापोती के कारण कार्य आज भी आधे अधूरे पड़े हैं। अनूपपुर प्लेटफार्म के अंदर पैदल पुल लगभग 3 वर्षों से बंद पड़ा था। कार्य प्रारंभ हुआ वह भी आधा अधूरा में बंद पड़ा हुआ है। लोगों को लंबी यात्रा कर लंबे पैदल पुल से आना जाना करना पड़ रहा है। जिससे सभी को परेशानी होती है। रेलवे लाइन पार करने पर रेलवे सुरक्षा बल द्वारा चालानी कार्रवाई की जाती है। जबकि रेलवे के हमाल स्वयं रेलवे लाइन क्रॉस कर पार्सल के सामानों को प्लेटफार्म से यहां से वहां करते हैं। उनके लिए रेलवे में कोई भी चालानी कार्रवाई नहीं होती। उसके लिए उन्हें छूट मिली हुई है, लेकिन यात्रियों को बेवजह परेशान किया जाता है।

कार्य पूर्ण होने की तिथि मे किया गया छेड़छाड़

एक ओर यात्री सुविधाएं धीमी गति से कार्य में परिणीत हो रही है। यात्री को जल्दबाजी में लाइन क्रॉस करना मजबूरी है। सही है कि रेलवे लाइन क्रॉस करना अवैधानिक है, जुर्म है, लेकिन सबसे बड़ी गलती रेलवे की है जो 3 वर्षों से बंद किया पैदल पुल को निर्धारित समयावधि में भी पूरा नहीं कर पाए। देखा जा सकता है कि अनूपपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन पर कार्य करने वाले ठेकेदार ने अपनी फ्लेक्सी लगाई है। जिसमें कार्य पूर्ण होने की तिथि दिसंबर 2024 को लीपा पोती कर केवल 202 कर दिया है। इसका जवाब कार्य कर रहे ठेकेदार कमला कंस्ट्रक्शन, बिलासपुर ही दे सकते हैं कि 202 का मतलब क्या है। यह कौन सा वर्ष आएगा। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत अनूपपुर जंक्शन स्टेशन को 16.62 करोड़ रुपए की राशि मिली थी। जिसमें लगता है अधिकांश राशि केवल बाहरी दीवारों को खींचने में साज सज्जा में ही उड़ा दी गई। जबकि वास्तव में पैदल पुल सबसे पहले बनना जरूरी था वह आज भी आधा अधूरा एवं बंद पड़ा हुआ है। अमृत भारत स्टेशन योजना में जो कार्य होने से उसमें कुछ हुए हैं, लेकिन वह भी आधे अधूरे हैं। जिसमें प्रमुख रूप से अग्रभाग का विकास, दो, तीन, चार पहिया वाहनों की पार्किंग, सड़क का विकास, प्रथम और द्वितीय श्रेणी प्रतीक्षालय का नवीनीकरण, दिव्यांगजन सुविधाएँ जिसमें रैम्प का निर्माण, जल निकासी, प्रवेश द्वार, स्ट्रीट लाइट, 12 मीटर एफओबी, नया प्लेटफार्म शेड, स्टेशन प्रवेश निकास द्वार, कोच और ट्रेन इंडिकेशन बोर्ड, साइनेज एवं सीसीटीवी कैमरे प्रमुख थे।

जनप्रतिनिधि भी उदासीन

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे कार्यों का अवलोकन निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को करना चाहिए था लेकिन देखा गया कि अनूपपुर जंक्शन स्टेशन पर शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह, स्थानीय विधायक बिसाहूलाल सिंह ने कभी भी आकर अवलोकन नहीं किया। जिसकी वजह से भी 9 दिन चले अढाई कोस की कहावत यहां चरितार्थ होते दिख रही है। रेलवे प्रशासन के उच्च अधिकारी भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे जिसके कारण अनूपपुर जंक्शन स्टेशन का कार्य काफी धीमी गति से चल रहा है। यात्रियों को आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। देखना है निर्वाचित जनप्रतिनिधि, रेलवे के अधिकारी कब तक अनूपपुर जंक्शन स्टेशन को सुसज्जित करने में अपनी अहम भूमिका निर्वहन करते हैं।

आरटीओ के उड़नदस्ता टीम की लूट का अड्डा बनी खूंटाटोला

मदहोश कर्मचारी रात में चेकिंग के नाम पर करते अवैध वसूली

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के खूंटाटोला बॉर्डर पर आरटीओ उड़न दस्ता की टीम अक्सर रात में गाड़ियों को रोक कर अवैध वसूली करते हैं। गाड़ियों के सभी दस्तावेज रहते हैं उसके बाद में भी देर रात को यह टीम नशे में खूंटाटोला बॉर्डर पर जबरदस्ती वसूली का अड्डा बनाए हुए हैं। जबकि सूत्रों का कहना है मध्यप्रदेश सरकार ने सभी बॉर्डर को हमेशा के लिए बंद कर दिए हैं। किसी भी बॉर्डर पर कोई भी चेक पोस्ट नहीं है, लेकिन अनूपपुर जिले के खूंटाटोला मे वसूली का अड्डा बना हुआ है।देखा जाता है कि दिन में यहां लोग गायब रहते हैं और रात होते ही यहां महफिल जम जाती है एवं गाड़ी वालों को बेवजह परेशान करते हैं, जो गाड़ी वाला पैसा उनके हिसाब से दे देता है उसको छोड़ देते हैं जो पैसा नहीं देता है उसके साथ बदतमीजी, गाली गलौज व मारपीट करते हैं। गाड़ी में चढ़कर जांच पड़ताल करते हैं। पैसेंजर वाली गाड़ियों को परेशान करते हैं तो ट्रक वालों से अवैध वसूली करते हैं। परेशान चालक, परिचालकों ने जिले के जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों से अपेक्षा की है कि रात्रि के समय आकस्मिक निरीक्षण कर ऐसे नशाखोर आरटीओ विभाग के उड़न दस्ता वालों पर पूरी तरह से रोक लगाई जाए। मध्यप्रदेश सरकार की छवि खराब कर रहे हैं, खुलेआम बोलते पाए जाते हैं कि आपको जहां कंप्लेंट करना है करिए हमारा कुछ नहीं होने वाला है। यदि सरकार ने उनकी नियुक्ति बॉर्डर पर की है तो मध्यप्रदेश के सभी क्षेत्र के बॉर्डर विधिवत चालू होते, परंतु खूंटाटोला बॉर्डर वसूली का अड्डा बन चुका है। जिससे सरकार की छवि खराब हो रही है। ऐसे अधिकारी को तत्काल प्रभाव से हटाया जावे एवं बेवजह किसी भी वाहन को परेशान नहीं किया जाए।

विभिन्न स्थानों पर 26 जुलाई को विद्युत आपूर्ति रहेगी अवरुद्ध

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड अनूपपुर के अधीक्षण अभियंता (संचा./संधा.) ने बताया है कि 220 के.व्ही. म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड चचाई (अनूपपुर) के 33 के.व्ही. एम.डी.एल. फीडर के नट वोल्ट के हॉट प्वाईंट को अटैण्ड करने के लिए 33 केव्ही मुख्य बसवार 220 केव्ही चचाई में 40 एमव्हीए ट्रांसफार्मर के क्षतिग्रस्त मुख्य बस जम्फर का स्थापन कूलर और 33 केव्ही मुख्य बस कार्य के लिए शटडाउन की आवश्यकता है। इस कार्य के प्रभावी रूप से सम्पादन हेतु 26 जुलाई को 220 के.व्ही. से निकलने वाले 33 के.व्ही. अनूपपुर, जैतहरी, शांतिनगर, चचाई, डी.ओ.सी.एम. फीडर की विद्युत आपूर्ति प्रातः 6:00 बजे से प्रातः 9:00 बजे तक अवरुद्ध रहेगी। कार्य के अनुसार विद्युत आपूर्ति अवरुद्ध रहने की समयावधि को बढ़ाया या घटाया जा सकता है।

अमानत मे खयानत पर कांसा के सरपंच, सचिव व एपीओ से राशि वसूली के आदेश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायत कांसा में छट्टनटोला स्टापडैम हाथी पाथर के पास, चेक डेम निर्माण कार्य तथा आर.सी.सी. पुलिया निर्माण कार्य शिवचरण कोल के खेत के पास के कार्य में कुल 5 लाख 44 हजार 651 रुपये के शासन के राशि का दुरूपयोग करने पर तत्कालीन अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी (मनरेगा) जैतहरी अरविंद सिंह से 1 लाख 26 हजार 872 रुपये, तत्कालीन सरपंच कांसा तिहारू कोल से राशि 2 लाख 8 हजार 890 रुपये एवं तत्कालीन सचिव शिवचरण पटेल से राशि 2 लाख 8 हजार 890 रुपये की वसूली के आदेश अपर कलेक्टर (विकास) एवं विहित प्राधिकारी पंचायत जिला पंचायत अनूपपुर तन्मय वशिष्ठ शर्मा द्वारा जारी किए गए हैं। संबंधितों को जिला पंचायत अनूपपुर के खाते में वसूली राशि पन्द्रह दिवस के अन्दर जमा करने हेतु आदेशित किया गया है। उल्लेखनीय है कि छट्टनटोला स्टापडेम हाथी पाथर के पास चेकडेम निर्माण कार्य तथा शिवचरण कोल के खेत के पास आर.सी.सी. पुलिया निर्माण कार्य में वित्तीय अनियमितता किए जाने पर दोषी संबंधित जनों के विरूद्ध जिला पंचायत द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था। इसके पश्चात भी अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी (मनरेगा) द्वारा कोई जवाब पेश नही किया गया तथा सरपंच व सचिव अनुपस्थित रहे। जिस पर अपर कलेक्टर (विकास) एवं विहित प्राधिकारी जिला पंचायत अनूपपुर द्वारा राशि वसूली के आदेश जारी किए गए हैं।

बूढी माई मन्दिर में पूजन के साथ अनूपपुर से कांवड़ यात्रा अमरकंटक हुई रवाना

बोल बम, हर हर महादेव के जयकारे के साथ भक्तिभाव में डूबे कांवड़ियें

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। पुरानी बस्ती अनूपपुर के समाजसेवी सनातनी युवाओं का एक दल 25 जुलाई श्रावण प्रतिपदा के पावन दिवस कांवड यात्रा के लिये अमरकंटक रवाना हो गया। मां बूढी माई मढिया कांवड यात्रा समिति अनूपपुर द्वारा लगातार सातवें वर्ष भगवान भोलेनाथ और माता नर्मदा जी के प्रति अगाध भक्तिभाव के साथ बोल बम, हर हर महादेव, नर्मदा मैया की जयकारे के साथ मन्दिर में पूजन अर्चन कर कांवड यात्रा का शुभारंभ किया। समिति के श्रद्धालु कांवड यात्रियों ने बतलाया कि पूरे विधि विधान, परंपराओं का पालन करते हुए सभी कांवडिये पद यात्रा के दौरान भजन कीर्तन करते हुए जयकारे लगाते हुए यात्रा करते हैं। हमारा यह प्रयास होता है कि हमारी यात्रा से सनातनी हिन्दुत्व परंपराओं और भक्ति भाव का प्रसार हो। किसी को हमारी यात्रा से कष्ट न हो। कांवडियों की यह पावन यात्रा अनूपपुर के मन्दिरों मे दर्शन पूजन के साथ प्रारंभ होकर जमुडी, किरर, राजेन्द्रग्राम, भेजरी, भुण्डाकोना होकर अमरकंटक मां नर्मदा उद्गम मन्दिर पहुंचेगें। वहाँ माई की पूजा करने के बाद उद्गम कुंड से नर्मदा जल लेकर ज्वालेश्वरधाम शिव मन्दिर पहुंचेगें। यहाँ नर्मदा जल से रुद्राभिषेक कर पूजा अर्चना के साथ यात्रा पूरी होगी।

अनीता मंडपम में आज दद्दा शिष्य परिवार करेगा असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। दद्दा शिष्य परिवार के संरक्षक संतोष अग्रवाल एडवोकेट ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रावण माह के महत्व को देखते हुए आज 26 जुलाई को एक दिवसीय असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण अनीता मंडपम बस्ती रोड अनूपपुर में प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होगा एवं दोपहर 12. बजे से महा रुद्राभिषेक का कार्यक्रम तत्पश्चात आरती एवं दोपहर 1 बजे से भोजन प्रसादी का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि श्रावण माह में शिवलिंग की पूजा-अभिषेक अनेक मनोरथों को पूर्ण करने वाली है। श्रावण का महीना भगवान शिव को समर्पित है और इस महीने में पार्थिव शिवलिंग का पूजन करना विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। शिव पुराण के अनुसार श्रावण में पार्थिव शिवलिंग का पूजन करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। दद्दा शिष्य परिवार के संरक्षक संतोष अग्रवाल एड.ने समस्त धर्म प्रेमियों से सपरिवार पार्थिव शिवलिंग निर्माण के कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की है।

सावन महीने में पवित्र नगरी अमरकंटक की व्यवस्था पर लगा ग्रहण

रामघाट पार्किंग स्थल बना तालाब, सोनमुड़ा-माई की बगिया मार्ग की हालत खस्ता

सीढ़ियों के समीप मलबे का अंबार, स्नान व आरती में बाधा

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित माँ नर्मदा के उत्तर तट पर स्थित रामघाट इन दिनों अव्यवस्थाओं और प्रशासनिक उदासीनता का दंश झेल रहा है। घाट तक पहुँचने के मार्ग पर कीचड़ और मलबे का अम्बार श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी परेशानी बन गया है। श्रद्धालु, पर्यटक और तीर्थयात्री जो यहां पवित्र नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाने, संध्या आरती में भाग लेने या रामसेतु झूला पुल तक जाने आते हैं, उन्हें कीचड़ से सने रास्तों और सीढ़ियों के पास भरे पानी से होकर गुजरना पड़ता है। कई श्रद्धालु स्नान से पूर्व या पश्चात फिसलकर गिर भी चुके हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा पर भी खतरा उत्पन्न हो गया है। रामघाट मार्ग के मोड़ पर बने पुल पर मलबा और गंदगी जमा हो जाने से वर्षा का पानी निकासी नहीं हो पा रहा, जिससे आसपास के क्षेत्र विशेषकर रामघाट पार्किंग स्थल में घुटनों तक जलभराव हो गया है। यह स्थिति न केवल वाहन चालकों के लिए मुसीबत बनी है, बल्कि पार्किंग करने आए दोपहिया और चारपहिया वाहनों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रामघाट के सामने स्थित साप्ताहिक हाट मैदान के समीप का मार्ग कीचड़ और जलजमाव से पट गया है। यही मार्ग पास में स्थित सुलभ शौचालय की ओर जाता है, जिससे महिलाओं, वृद्धों और बच्चों सहित सभी यात्रियों को आने-जाने में असुविधा हो रही है। स्थानीय प्रशासन द्वारा कीचड़ निवारण के नाम पर डाली गई मिट्टी और मुरुम ने स्थिति को और अधिक विकट बना दिया है। अब यह क्षेत्र और अधिक कीचड़युक्त हो चुका है। श्रद्धालुओं की मांग है कि नगर परिषद तत्काल सफाई, जल निकासी और कीचड़ हटाने की उचित व्यवस्था करे, जिससे यह पावन तीर्थस्थल फिर से श्रद्धा, स्वच्छता और व्यवस्था का प्रतीक बन सके।

इधर सोनमुड़ा-माई की बगिया मार्ग की हालत खस्ता

पावन पवित्र नगरी अमरकंटक के पर्यटक स्थल सोनमुड़ा से धार्मिक स्थल माई की बगिया को जोड़ने वाला मार्ग अति जर्जर हो गया है मार्ग की हालत बेहद चिंताजनक है खस्ता हाल मार्ग में पर्यटक तीर्थ यात्री भक्त श्रद्धालु चारपहिया वाहनों मोटरसाइकिल तथा परिक्रमा वासी पैदल यात्रा उक्त मार्ग से करते हैं। मार्ग में बहुत ज्यादा बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं उक्त मार्ग से चलना दूभर हो रहा है। पर्यटक तीर्थ यात्री दर्शनार्थी के वाहन चालक वाहन को कहां ले जाएं। एक गड्ढे को बचाते हैं तो दूसरे बड़े गड्ढे में वहां अपने आप चला जाता है गड्ढे इस कदर बड़े हो गए हैं पैदल चलना तक मुश्किलों भरा हो रहा है। माई की बगिया से सोनूमुड़ा तक लगभग 1 किलोमीटर के मार्ग का निर्माण वर्षों पूर्व हुआ था तब से उक्त मार्ग का आवश्यक सुधार मरम्मत नहीं हुआ है इसके चलते एक किलोमीटर के मार्ग में जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं तथा मार्ग भी बेहद सकरा मार्ग से हटकर पटरी से वाहन निकलते हैं बीच में कभी वहां न जाने से वहां को साइड देने में भारी दिक्कत होती है मार्ग की हालत बहुत ज्यादा खराब है उक्त मार्ग का समय-समय पर आवश्यक सुधार मरम्मत किया जाना आवश्यक था लेकिन इस विषय में प्रशासन का ध्यान नहीं गया फल स्वरुप उक्त मार्ग जगह-जगह से टूट गया है गड्ढे हो गए हैं पानी भरा रहता है। पर्यटक एवं धार्मिक स्थल को जोड़ने वाले मार्ग का आवश्यक सुधार मरम्मत किया जाना नितांत आवश्यक हो गया है। स्थानीय प्रशासन तथा जिला प्रशासन उक्त मार्ग के तत्काल सुधार मरम्मत कराए जाने की मांग पर्यटक तीर्थ यात्रियों भक्त श्रद्धालुओं के साथ स्थानीय नागरिकों ने की है।

तीन साल से फरार भालू के अंग रखने वाले दो आरोपी वन विभाग की गिरफ्त में

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। वन परिक्षेत्र राजेन्द्रग्राम में अनुसूचित वन के वन्यप्राणी भालू के अंग रखने वाले दो आरोपी जो 3 वर्षों से फरार रहे हैं, वनविभाग की टीम द्वारा गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत करने के पर न्यायालय के आदेश पर जिला जेल भेजा है। प्रकरण के संबंध में बताया गया कि वन परिक्षेत्र राजेन्द्रग्राम के छींदपानी बीट अंतर्गत थमरदर गांव में विगत 3 वर्ष पूर्व नागेंद्र सिंह के घर में खड़ी नागेन्द्र की बोलेरो के पीछे एक थैला में रखा अनुसूची वन श्रेणी के वन्यप्राणी भालू का सिर एवं चार नग पंजे मुखबिर की सूचना पर वनविभाग की टीम द्वारा जप्त की गई थी, इस दौरान डॉग एस्कॉर्ट से परीक्षण पर डांग के बुद्धेलाल पिता अमोली सिंह निवासी थमरदर के घर तक गया जिस पर पूछताछ के पहले ही बुद्धेलाल 3 वर्षों तक फरार रहा था, घटना के बाद आरोपियों के विरुद्ध वन्यप्राणी संरक्षक अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही थी, मुख्य आरोपी के घर वापस आने की सूचना मिलने पर बरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर वन परिक्षेत्र अधिकारी राजेंद्रग्राम शिवम कोष्ठी के नेतृत्व में टीम गठित कर परिक्षेत्र सहायक राजेंद्रगाम कुंवर सिंह सोर्ठे वनरक्षक बीटगार्ड छींदपानी भीषमदास, बीट गार्ड बम्हनी भूपेंद्र मांझी एवं बीट गार्ड पटना नागेन्द्र सोनी के द्वारा आरोपी बुद्धेलाल सिंह पिता अमोली सिंह एवं नागेंद्र सिंह पिता संभल सिंह दोनों निवासी थमरदर थाना राजेन्दगाम को गिरफ्तार कर राजेन्दगाम न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने पर न्यायालय के आदेश पर जेल भेजा गया। इस दौरान मुख्य आरोपी बुद्धेलाल सिंह ने बताया कि वह 3 वर्ष पूर्व छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही इलाके में देशी दवाई कराने गया रहा, उसे जंगल में एक भालू मृत स्थिति में मिलने पर टगिंया से चारों हाथ पैर के पंजे एवं सिर को काट कर थैला में रखकर ले आया था, आपसी रंजिश के कारण उसने थैला को गांव के ही नागेंद्र सिंह की बोलेरो के पीछे कमानी के पास बांधकर खुद ही वन विभाग को शिकायत की थी।

गूजर नाले के उफान पर होने के बावजूद जान जोखिम में डालकर नाला पार कर रहे लोग

रोजमर्रा के कामों के अलावा आपातकालीन अड़चन, प्रशासनिक लापरवाही पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले मे बीती रात अत्यधिक वर्षा होने के कारण नदी नाले उफान पर हैं जो तेज वेग से पुल के ऊपर बह रहे हैं, लेकिन ग्रामीण अपनी जान को जोखिम में डालकर उफनते हुए पुल को पार कर रहे हैं। जैतहरी के चोलना सिवनी गांव मे गूजर नाला है, जहां ग्रामीण दो पहिया वाहन को पकड़ कर उफनते हुए पुल को पार कर रहे हैं। हालांकि इसकी जानकारी पुलिस तक पहुंच चुकी है। बताते हैं कि पुल में अभी अधिक बहाव है तथा पानी बढ़ रहा है जिससे मौके पर पुलिस व एसडीआरएफ का रहना बहुत जरूरी है। गूजर नाला का पुल उफान पर चल रहा है तथा धीरे-धीरे इसका जल स्तर बढ़ता जा रहा है, वहां आस-पास के लोग नशे की हालात में अपनी जान को जोखिम में डालकर नाले को पार कर रहे हैं, समझाइस देने की बावजूद नहीं मान रहे हैं।

मरवाही को कोतमा से जोड़ने वाला मुख्य मार्ग बंद

छत्तीसगढ़ के मरवाही और मध्यप्रदेश के कोतमा को जोड़ने वाली मुख्य सड़क इन दिनों बारिश के कहर से जूझ रही है। क्षेत्र के मालाडांड और चोलना गांवों के बीच बहने वाली गूजर नदी में भारी बारिश के चलते जल स्तर अत्यधिक बढ़ गया है। पिछले दो दिनों से लगातार हो रही मूसलधार बारिश के कारण नदी उफान पर आ गई है और इसका पानी पुल के ऊपर से बह रहा है, जिससे 23 जुलाई से इस मार्ग पर आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया है। इस मार्ग का बंद होना दोनों राज्यों के सीमावर्ती ग्रामीणों के लिए भारी परेशानी का कारण बन गया है। ग्रामीणों को न केवल रोजमर्रा के कामों के लिए बल्कि आपातकालीन सेवाओं जैसे अस्पताल, विद्यालय, बाजार आदि तक पहुंचने में भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रशासनिक लापरवाही पर उठे सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल बारिश के मौसम में गूजर नदी में यही स्थिति उत्पन्न होती है, लेकिन प्रशासन द्वारा स्थायी समाधान की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया है। पुल की ऊंचाई कम होने के कारण हर साल बाढ़ जैसी स्थिति बन जाती है। इस वर्ष भी समय रहते मरम्मत या सुरक्षात्मक व्यवस्था नहीं की गई, जिसका खामियाजा अब सैकड़ों लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

स्कूली बच्चों और किसानों को सबसे अधिक परेशानी

स्कूल जाने वाले बच्चे, खेतों की ओर जाने वाले किसान, और व्यापारी वर्ग सभी इस मार्ग पर निर्भर हैं। मार्ग बंद होने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, वहीं किसानों की उपज को बाजार तक पहुंचाने में देरी हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई तो हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और शासन-प्रशासन से मांग की है कि इस मार्ग पर स्थित पुल को ऊंचा और मजबूत बनाया जाए ताकि हर साल आने वाली इस समस्या से स्थायी रूप से छुटकारा मिल सके। साथ ही, बाढ़ के समय के लिए वैकल्पिक मार्ग और राहत व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कितनी शीघ्रता से संज्ञान लेता है और क्या कदम उठाता है।

हाथी देखने छत पर चढ़े युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

हाथी देखने छत पर चढ़े व्यक्ति की पैर फिसलने से मृत्यु हो गई। इसी घटना में एक 3 महीने का मासूम बच्चा भी भगदड़ में घायल हो गया। जिससे उसका पैर टूट गया है। बच्चे को में भर्ती कराया गया। जहां उसका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार वन परिक्षेत्र जैतहरी के अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़रिया के ग्राम चोई में शुक्रवार की सुबह 44 वर्षीय रामपाल राठौर पुत्र बंसीलाल राठौर घायल मिला जिसे इलाज के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया, जहां इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। घटना की सूचना पर अनूपपुर वन परिक्षेत्र अधिकारी स्वर्ण गौरव सिंह ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। परिजनों के अनुसार, रामलाल राठौर को घर के पीछे बेहोशी की हालत में पाया गया था। उन्हें तुरंत जिला चिकित्सालय लाया गया जहां इलाज के दौरान तबीयत बिगड़ी और थोड़ी देर में मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया हैं कि रामलाल की मौत हाथी के हमले हुई है। डीएफओ विपिन पटेल का कहना है कि रामलाल राठौर हाथी देखने के लिए छत पर चढ़े थे। वहीं से फिसलने के कारण उनकी मौत हुई है। फिलहाल शव को अस्पताल में सुरक्षित रखा गया है। पोस्टमॉर्टम के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

यातायात प्रभारी बनीं रक्षित निरीक्षक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले मे यातायात प्रभारी के तौर पर पदस्थ सुश्री ज्योति दुबे रक्षित निरीक्षक अनूपपुर बनाई गई हैं। उक्त आदेश पुलिस स्थापना बोर्ड से अनुमोदन उपरांत पुलिस मुख्यालय भोपाल से पुलिस महानिदेशक ने जारी किया है।

डाकघर से 30 रुपये में खरीद सकते हैं गंगाजल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

सावन माह में शिव भक्तों के लिए डाक विभाग ने एक विशेष धार्मिक सेवा शुरू की है। अब भक्तगण सिर्फ 30 रुपये में 250 ग्राम शुद्ध गंगाजल अपने नजदीकी डाकघर से प्राप्त कर सकते हैं, जिससे वे घर बैठे ही भगवान शंकर का अभिषेक कर सकें। उक्ताशय की जानकारी देते हुए मुख्य डाकघर अनूपपुर के पोस्ट मास्टर श्री के. के. पटेल ने बताया है कि यह सेवा जिले के सभी डाकघरों में उपलब्ध है। इसका उद्देश्य उन श्रद्धालुओं की मदद करना है जो किसी कारणवश हरिद्वार या गंगोत्री जाकर गंगाजल नहीं ला पाते। उन्होंने बताया है कि गंगाजल की आपूर्ति डाक विभाग द्वारा आधिकारिक रूप से सुनिश्चित की गई है और इसकी शुद्धता तथा पवित्रता का विशेष ध्यान रखा गया है। सावन माह में यह सेवा शिव भक्तों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है। पोस्ट मास्टर ने बताया है कि डाक विभाग समय-समय पर धार्मिक और सामाजिक दृष्टिकोण से लोक-कल्याणकारी योजनाएं चलाता है और गंगाजल वितरण उसी श्रृंखला का हिस्सा है। श्रद्धालुओं ने भी इस पहल का उत्साहपूर्वक स्वागत किया है और इसे घर बैठे गंगाजल प्राप्त करने का उत्तम अवसर बताया है। गंगाजल की बोतलें जिले के हर डाकघर में उपलब्ध हैं, ऐसे में लोग समय रहते अपने निकटतम डाकघर से इसे प्राप्त कर सकते हैं।